

## आचार्य शांतिसागर जन्म शताब्दि महोत्सव स्मृति ग्रन्थ(फोल्डर नं. ०२०२२)

मुख्य टाइटल

संपादकीय निवेदन

अनुक्रमणिका

प्रथम भाग – अहवाल, चरित्र, स्मृति आदि -----	१-१७६
जिनवाणी जीर्णोद्धारक संस्था का पच्चीस साल का अहवाल -----	१
आचार्यश्री का जीवन परिचय -----	२१
श्रद्धा के सुमन -----	४९-८४
विचारवंतों के दृष्टि में -----	५१
श्रद्धाञ्जलि -----	५९
काव्य -----	७७
स्मृति मंजूषा -----	८५-१७६
इंग्रजी -----	८७
हिंदी -----	९३
मराठी -----	१२१
दूसरा भाग – दिगम्बर जैन साहित्य परिचय और परिशीलन -----	१-३६८
शास्त्र का अर्थ करने की पद्धति और चार अनुयोग – पं. टोडरमलजी -----	२
पंचास्तिकाय समयसार – पं. जगन्मोहनलालजी शास्त्री -----	१४
श्रीसमयसार – पं. धन्यकुमार मोरे -----	२२
तत्त्वार्थसूत्र और उसकी टीकाएं – पं. फुलचन्द्रजी शास्त्री -----	३७
प्रवचनसार – पं. धन्यकुमार मोरे -----	५७
मूलाचार का अनुशीलन - पं. कैलाशचन्द्रजी शास्त्री -----	७१
समंतभद्र-भारती – पं. परमानन्द जैन शास्त्री -----	८६
श्रीधवलसिद्धान्त ग्रंथराज – श्री रतनलालजी मुख्त्यार -----	१००
कसायपाहुड-सुत अर्थात् जयधवल सिद्धांत – पं. हिरालालजी सिद्धान्तशास्त्री -----	११३
महाबन्ध – पं. फुलचन्द्रजी शास्त्री -----	१२६
श्रीमान् पं. टोडरमलजी और गोम्मटसार – पं. नरेन्द्रकुमार भिसीकर -----	१५४
अष्टसहस्री – डॉ. दरबारीलालजी कोठिया -----	१६६
परमात्मप्रकाश – श्री प्रकाशचन्द्र हितैषी -----	१७५
दिगम्बर जैन पुराणसाहित्य – पं. पन्नालालजी -----	१८२
चन्द्रप्रभचरितम् – पं. अमृतलाल शास्त्री -----	१९४
ज्ञानार्णव – प्रा. पद्मा किल्लेदार -----	२०४
तत्त्वार्थसार – पं. बालचन्द्र सिद्धान्तशास्त्री-----	२१५
श्रीजिननामावलि-शक्तिमणिकोश – डॉ. पद्मनाभ जैनी -----	२२३

जैन ज्योतिषसाहित्य – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री -----	२२८
पुरुषार्थसिद्ध्युपाय – पं. ब्र. माणिकचन्द्र चबरे -----	२४५
पं. आशाधरजी और उनका सागारधर्माभूत – श्रीआर्यिका सुपार्थमतिजी -----	२५६
स्वामि कार्तिकेयानुप्रेक्षा – पं. जिनदासजी शास्त्री -----	२७०
आचार्य नेमिचंद्र व बृहद्द्रव्यसंग्रह – पं. नरेन्द्रकुमार भिंसीकर -----	२८२
आर्हत्-धर्म एवं श्रमण संस्कृति – मुनि विद्यानन्द -----	२९५
Dhananjaya and his Dwi Sandhana – Dr. A. N. Upadhye-----	303
Ganitsara Sangrah – Prof. D. B. Bagi -----	311
महाराष्ट्र के जैन शिलालेख – डॉ. विद्याधर जोहरापुरकर -----	३१५
जैन कानून – श्री वालचन्द्र पदमसी कोठारि -----	३१८
कर्नाटक जैन साहित्याची प्राचीन परंपरा – पं. वर्धमान पा. शास्त्री -----	३२३
तत्त्वसार – श्री क्षु. दयासागरजी -----	३३०
रत्नकरण्ड श्रावकाचा – श्री ब्र. विद्युल्लताबेन शहा -----	३३७
समाधिशतक – पद्मश्री पं. सुमतिबाई शहा -----	३४४
आयुर्वेद जगत में जैनाचार्यों का कार्य पं. वर्धमान शास्त्री -----	३४८